अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2023) दिनांक : 20.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 15

आचार्य रायचन्द जी (किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य रायचन्द जी का जन्म कहाँ व किस संभाग में हुआ?

(ख) आचार्य रायचन्द जी की माता साध्वी कुशालांजी व मौसी साध्वी रूपांजी का संयम पर्याय कालमान कितना-कितना था?

(ग) मुनि रायचन्द जी को युवाचार्य पद प्रदान किया उस दिन आचार्य भारमल की किस तपस्या का कौन सा दिन था?

(घ) महाराज! आप इस छोटी भींत पर चढ़कर क्या देख रहे हैं? ऋषिराय से यह प्रश्न किसने किया? और उसका सुफल क्या हुआ?

(ङ) ऋषिराय द्वारा भेजे गए दो पत्र जीत मुनि को कहां प्राप्त हुए और युवाचार्य पद की घोषणा किस क्षेत्र में हुई?

(च) आचार्य रायचन्द जी ने अपने प्रथम बीदासर चातुर्मास के समय किन-किन मुख्य सन्तों के थली में कहां चातुर्मास करवाये?

(छ) मालव यात्रा में ऋषिराय ने अपना चातुर्मास कहां व कितने संतों के साथ किया?

आचार्य जीतमल जी (किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें)

(ज) लाडनूं का क्षेत्र कब व किसी सूझबूझ से साधु-साध्वियों के विहरण का केन्द्र बना?

(झ) पुस्तकों के समर्पण के साथ साधुओं को कौन सा अधिकार दिया गया?

(ञ) 1910 के चातुर्मास के बाद जयाचार्य उदयपुर पधारे उस समय वहां कितने साधु-साध्वियां एकत्रित हुए और उनका प्रवास कहां-कहां हुआ?

(ट) आगमों के पांच व्याख्या ग्रन्थों के नाम लिखें।

(ठ) मुनि सतीदास जी ने दो उत्तरीय कब व किसके निर्देश से ओढ़ने शुरू किए?

(ड) जयाचार्य ने दवदंती, जयवंती और इन्द्राणी आदि देवियों का नामोल्लेख करते हुए क्या कहा?

(ढ) जयाचार्य के भाई भीमजी का सिंघाड़ा कब बनाया गया तथा उनके साथ किन-किन संतों को दिया गया?

(ण) भाव-विशुद्धि के लिए जयाचार्य की कौन सी कृत्ति कितने द्वारों की बनी है?

(त) आचार्य श्री के साथ साध्वियों के चातुर्मास का क्रम कब व कहां से प्रारम्भ हुआ?

(थ) साध्वी दीपांजी व साध्वी जेतांजी के चित्तौड़ व हमीरगढ़ चातुर्मास के समय कौन सी तपस्याएं सम्पन्न हुई?

(द) बीदासर में अंगारों की वर्षा के बाद साध्वियों ने संतों को कैसे व कहां पहुंचाया?

(ध) जयाचार्य की सुखपाल उठाने का कार्य किन-किन मुनियों ने किया?

(न) जयाचार्य रचित तत्त्व-चर्चात्मक पद्य ग्रन्थ कौन-कौन से हैं?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 10

आचार्य रायचन्दजी (किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) किसी ने कहा–गुरूदेव आज का दिन तो नखेद है। तब ऋषिराय ने क्या कहा और किया?

(ख) संक्षेप में स्पष्ट करें कि मुनि रायचन्द जी पुण्यशाली सन्त थे।

(ग) मुनि जीतमल जी ने निवेदन किया–आपको पट्ट के नीचे उतर कर वन्दन कर लेना चाहिए था। तब ऋषिराय ने क्या कहा?

आचार्य जीतमल जी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(घ) जयाचार्य ने व्यक्तिशः संबोध हेतु सोरठा रचकर किन-किन संतों को सुनाया? नाम लिखें।

(ङ) जयाचार्य रचित 'बड़ो ध्यान' में ध्यान के कौन-कौन से अभ्यास बताए गए हैं?

(च) नीतिकारों के अनुसार–गुरूजनों की स्तुति उनके सम्मुख और मित्र बन्धु व शिष्यों की परोक्ष करनी चाहिए। परन्तु जयाचार्य ने इस वाक्य के विपरीत कौन सा कार्य किया? संक्षेप में लिखें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 10

(क) आचार्य रायचन्द जी की गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ यात्रा का वर्णन करें।

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य रायचन्द जी तपस्या-प्रेरक संत थे।

(ग) उग्र पुण्य और पाप का फल तत्काल मिल जाता है। इस वाक्य का सप्रसंग विवेचन करें।

प्र. 4 सिद्ध करें कि जयाचार्य भक्त वत्सल आचार्य थे। 5

अथवा

प्रतिबोध दान पर टिप्पणी लिखें।

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) जयाचार्य द्वारा रचित भगवती की जोड़, प्रश्नोत्तर तत्त्व बोध और भ्रम विध्वंसन का विशद विवेचन करें।

(ख) जयाचार्य ने पट्टासीन होते ही अनेक योजनाओं को कार्यरूप दिया उसमें साध्वियों के लिए सिंघाड़ो की व्यवस्था और न्याय के लिए पंच-व्यवस्था को मूर्त रूप दिया, उसका विशद विवेचन करें।

(ग) जयाचार्य के जीवन के संध्या काल का विशद विवेचन करें।

तेरापंथ प्रबोध–30

प्र. 6 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 12

(क) 'हमारे भाग्य बड़े बलवान' गीत वाला पद्य।

(ख) 'जय बोलो मधवा गणिवर री' गीत वाला पद्य।

(ग) 'टोला रा टालोकरां' वाला पद्य।

(घ) 'आत्म साक्षात्कार प्रेक्षाध्यान' गीत वाला पद्य।

प्र. 7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) भाद्रव शुक्ल.....निर अतिचार हो।

(ख) पोढ़ाया नै.....मंडी त्यार हो।

(ग) उणपच्चास संत.....शानदार हो।

(घ) 'भागी भारमल' वाला पद्य।

(ङ) महाप्रज्ञ सा.....साझीदार हो।

प्र. 8 कोई तीन पद्य लिखें– 9

(क) 'अभिनिष्क्रमण' वाला पद्य।

(ख) 'पंच-वचन शिरमाथे' वाला पद्य।

(ग) 'समयं गोयम' वाला पद्य।

(घ) 'भिक्खू दृष्टांत' वाला पद्य।

(ङ) 'म्हानै घणा सुहावो जी' गीत वाला पद्य।